

जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
मेरा और सहारा कोई ना,
मेरी लाज बचाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ।

मैं निर्बल निर्धन दिन बड़ा,
मैं घिर गया गम के घेरों में,
मां ज्योति रूपा भय हरनी,
कहीं डूब ना जाऊँ अंधेरों में,
कमजोर हूँ मैं मैया,
मेरी चिंता मिटाने आ जाओ,
मेरी चिंता मिटाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ।

तेरे भरे हुए भंडार है माँ,
मोहताज मैं दाने दाने का,
तेरे होते हुए दिल कांप रहा,
तेरे द्वार के इस दीवाने का,
मेरी नाव भंवर में फंसी,
इसे पार लगाने आ जाओ,
इसे पार लगाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ।

कहीं एक गरीब की कुटिया ना,
लोगों की नजर से गिर जाए,
विश्वास के रंगों पर मैया,
कहीं पानी ही ना फिर जाए,
क्या करूं कुछ सूझे ना,
कोई राह दिखाने आ जाओ,
कोई राह दिखाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ।

जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ,
मेरा और सहारा कोई ना,
मेरी लाज बचाने आ जाओ,
जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ।